पर्यावरण को सहेजें भविष्य को संवारें

रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में रविवार को मनाए गए वन महोत्सव के दौरान कुलाधिपति प्रो. पंजाब सिंह ने पौधरोपण किया।

केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में मना वन महोत्सव

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में वन महोत्सव मनाया गया, जिसमें मौजूद अतिथियों ने पर्यावरण को लेकर अपने विचार व्यक्त करते हुए भविष्य को संवारने की सलाह दी।

कार्यक्रम में कुलाधिपति प्रो. पंजाब सिंह ने वनों का महत्व बताते हुए कहा कि लोगों को पर्यावरण व वन्य जीव सुरक्षा के प्रति जागरूक किया जाना चाहिए। वहीं, विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अरविंद कुमार ने छात्र-छात्राओं को प्रतिवर्ष एक पौधा लगाने की जिम्मेदारी देते हुए पेड़-पौधों के महत्व को भारतीय संस्कृति से जोड़कर समझाया। कार्यक्रम में मौजूद वन संरक्षक अधिकारी एके सिंह ने लोगों को बताया कि मनुष्य का यह नैतिक दायित्व है कि हम अपनी प्रकृति के पर्यावरण को सुरक्षित और संरक्षित रखें। इसके लिए वायु प्रदान करने वाले वृक्षों की आवश्यकता बताते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने का आह्वान किया। इस दौरान छात्र-छात्राओं की तरफ से पर्यावरण संरक्षण पर नाटक प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ अधिष्ठाता उद्यानिकी एवं वानिकी डॉ. एके पांडेय ने किया। इस दौरान वीके मिश्रा, डॉ. एसके चतुर्वेदी, डॉ. मुकेश श्रीवास्तव मौजूद रहे। आभार डॉ. एआर शर्मा ने जताया।

विचार क्रांति से ही बदलाव संभव : वीरेश्वर

कार्यक्रम में गायत्री परिवार के संत ने छात्र- छात्राओं का किया मार्गदर्शन

अधिवक्ता विचार क्रांति अभियान कार्यक्रम में वीरेश्वर उपाध्याय ने दिया संदेश। मंच पर राज्यमंत्री हरगोविंद कुशवाहा, केपी श्रीवास्तव, उदय राजपूत, जितेंद्र सिंह मौजूद रहे। (बाएं से दाएं)।

अमर उजाला ब्यूरो

झांसी। भारत की दशा व दिशा को बदलने में मनुष्य की सोच, विचार व निर्णय लेने का बहुत योगदान है। यदि मनुष्य सकारात्मक विचारों के साथ सही समय पर निर्णय ले तो देश में फैले अंधविश्वास कुरीतियों को बहुत ही कम समय में खत्म किया जा सकता है। शनिवार को यह विचार शांतिकुंज हरिद्वार के युग मनीषी व संत पंडित वीरेश्वर उपाध्याय ने रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राओं के व्यक्तित्व निर्माण कार्यक्रम में व्यक्त किए।

प्रबद्ध वर्ग की दशा व दिशा शीर्षक पर आयोजित इस कार्यक्रम में उन्होंने मनुष्य के जीवन चरित्र, योग आसन, संस्कार, पर्यावरण व भारतीय संस्कृति के बारे में बताया। इस अवसर पर कुलसचिव डा. मुकेश श्रीवास्तव, डा. एआर शर्मा, डा. अनिल कुमार, डा. एसके चतुर्वेदी, डा. एके पांडे, डा. विजय श्रीवास्तव, दीनदयाल मिश्रा, उपस्थित रहे। संचालन डा. एके पांडे ने किया। इधर, कचहरी स्थित शंकर सहाय भवन में अधिवक्ता विचार क्रांति अभियान के तत्वावधान में आयोजित कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि न्याय प्रत्येक व्यक्ति को मिले इसके लिए तीन चरण हैं। समझना, फिर सहयोग और फिर प्रतिरोध। समाज की समस्याओं को दूर करने के लिए अगर अधिवक्ता कमर कस लें तो बड़ी से बड़ी समस्या का निदान आसानी से हो सकता है। 24 घंटे में एक घंटा हमें हर हाल में लोक हित के लिए निकालना चाहिए। मुफ्ती इमरान नदवी ने आपसी सौहार्द का संदेश दिया। सुप्रीम कोर्ट से आए अधिवक्ता जितेंद्र सिंह ने संविधान में दिए मौलिक कर्तव्यों एवं उनके अनुपालन पर जोर दिया। अंतर्राष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान के उपाध्यक्ष हरगोविंद कुशवाहा ने मानव जीवन की महत्ता पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष उदय राजपूत ने की। इस मौके पर मजहर अली, करुणेश श्रीवास्तव, हरिकृष्ण पुरोहित, सुनील तिवारी, दीपा भारद्वाज, उदय सोनी, नरोत्तम स्वामी, प्रणय श्रीवास्तव, रमेश यादव मौजूद रहे। संचालन वैभव कुमार तिवारी व आभार दीनदयाल मिश्रा ने व्यक्त किया।

कृषि तकनीक विकास की दिशा में बढ़े विश्वविद्यालय के कदम

आधुनिक उपकरणों से युक्त सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी लैब जल्द शुरु होगी

प्रशांत शर्मा

झांसी। रानी लक्ष्मीबाई केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय ने कृषि तकनीक विकास की दिशा में कदम बढ़ा दिए हैं। विश्वविद्यालय में जल्द ही आधुनिक उपकरणों से लैस सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी लैब शुरू हो जाएगी। इसके बाद छात्र-छात्राएं यहां पर शोध कार्य कर सकेंगे। इसके अलावा विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को मॉडल विलेज तैयार करने की दिशा में प्रशिक्षित कर रहा है। ताकि, भविष्य में इसका फायदा छात्र-छात्राओं के अलावा किसानों को भी हो।

मौजूदा समय में केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय में स्नातक स्तर पर बीएससी एग्रीकल्चर, बीएससी हॉर्टीकल्चर,, बीएससी फॉरेस्ट्री और परास्नातक स्तर पर एमएससी एग्रोफॉरेस्ट्री, एमएससी प्लांट पैथोलॉजी, एमएससी जेनेटिक्स एंड प्लांट फीडिंग परास्नातक के कोर्स चल रहे हैं। इसी सत्र से परास्नातक स्तर पर सॉयल साइंस, इंटेमोलॉजी, वेजिटेबल साइंस और फ्रूट साइंस, सिल्विकल्चर एंड एग्रोफॉरेस्ट्री कोर्स शुरू होने हैं। विश्वविद्यालय में चल रहे नए और आधुनिक कोर्स शुरू होने का सीधा फायदा छात्र-छात्राओं को मिल रहा है।

विद्यार्थियों को मॉडल विलेज तैयार करने की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा

यूनिवर्सिटी अब गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, शोध और कृषि तकनीक विकास को बढ़ावा दे रहा है। इसके लिए सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी लैब बनकर तैयार हो गई है। छह महीने में लैब शुरू हो जाएगी। लैब में आधुनिक उपकरण होंगे। यहां पर भूजल, मिट्टी आदि की गुणवत्ता की जांच की जा सकेगी। पोषक तत्व समेत जो कमियां मिलेंगी, उनको दूर किया जा सकेगा। वहीं, विश्वविद्यालय ने केंद्र सरकार के अलावा फंडिंग एजेंसी को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए प्रस्ताव भेजे हैं। इनमें कुछ को जल्द स्वीकृति मिलने की उम्मीद है। यूनिवर्सिटी छात्र-छात्राओं को जल प्रबंधन, बीज उत्पादन आदि सिखाकर मॉडल विलेज तैयार करने की दिशा में भी प्रशिक्षित कर रहा है।

उद्यमी तैयार करने के लिए कार्यक्रम शुरू

कृषि विश्वविद्यालय ने उच्च शिक्षा के अलावा युवा उद्यमी तैयार करने के लिए कार्यक्रम भी शुरू कर दिया है। रूरल एंटरप्रेन्योर्स एंड एवेयरनेस डेवलपमेंट प्रोग्राम के अंतर्गत स्टूडेंट रेडी प्रोग्राम शुरू किया गया है। इसके तहत उद्यमी तैयार किए जा रहे हैं। इसके अंतर्गत बीज उत्पादन का प्रशिक्षण और पौध के प्रचार-प्रसार से संबंधित प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बढ़ गईं कोर्सों की सीटें

यूनिवर्सिटी में स्नातक कोर्सों की सीटें बढ़ गई हैं। अब बीएससी एग्रीकल्चर में 40 की जगह 60 और बीएससी हॉर्टीकल्चर और बीएससी फॉरेस्ट्री में 20-20 की जगह 30-30 सीटों पर छात्र-छात्राएं प्रवेश ले सकेंगे।

विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं को शोध आधारित शिक्षा देने की योजना है। जब तक छात्र-छात्राएं प्रैक्टिकल नहीं करेंगे, तब तक सीख नहीं पाएंगे। इसके लिए सेंट्रल इंस्ट्रूमेंटेशन फैसिलिटी लैब मददगार साबित होगी, जो छह माह में शुरू हो जाएगी। वहीं, स्टूडेंट रेडी प्रोग्राम युवा उद्यमी तैयार करने में मददगार साबित हो रहा है। ऐसे में युवा जॉब सीकर (नौकरी खोजने वाले) की जगह जॉब प्रोवाइडर बनेंगे। इसी सत्र से नए कोर्स शुरू होने से भी विद्यार्थियों को उच्च शिक्षा हासिल करने में काफी मदद मिलेगी। - **डॉ. अरविंद कुमार, कुलपति, केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय।**